मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 283, मुंबई, बुधवार, 15 जनवरी, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

महाकुंभ में स्नान करने पहुंचे शरद पवार गुट के नेता का निधन

दिल का दौरा पड़ने से गई जान, शरद पवार ने पोस्ट कर जताया दुख

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। प्रयागराज में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। विभिन्न अखाड़ों के संतों ने मकर संक्रांति के अवसर पर महाकुंभ में पहला अमृत स्नान किया। मंगलवार को 3.50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने किया त्रिवेणी में स्नान किया। इस बीच महाकुंभ से महाराष्ट्र के लिए दुखद खबर आई। महाकुंभ में स्नान करने पहुंचे महाराष्ट्र के एक बड़े नेता का दिल दौरा पड़ने से निधन हो गया। सोलापुर के पूर्व महापौर और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता महेश कोठे की मंगलवार को प्रयागराज के त्रिवेणी संगम पर स्नान करते समय दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। (शेष पृष्ठ 3 पर)

वाल्मिक कराड पर लगा मकोका

सड़क पर उतरी मां, समर्थकों ने आत्मदाह का किया प्रयास

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। बीड के मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले में सरेंडर करने वाले वाल्मिक कराड पर शिकंजा कसता जा रहा है। मंगलवार को कराड के खिलाफ मकोका एक्ट के तहत भी मामला दर्ज कर लिया गया। सीआईडी कस्टडी खत्म होने के बाद उसे बीड जिले की केज कोर्ट में पेश किया गया जहां कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भी भेज दिया। वाल्मिक कराड पर जबरन वसूली के तहत मामला दर्ज किया गया है। कोर्ट में सरकारी वकील ने वाल्मिक की सीआईडी हिरासत को बढ़ाए जाने की मांग की थी। हालांकि, कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

जमानक का खुला रास्ता : इस हत्याकांड की जांच कर रही सीआईडी की टीम सबूत जुटाने का काम कर रही है। जानकारों का कहना है कि न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद वाल्मिक कराड के लिए जमानत का रास्ता खुल गया है लेकिन मकोका के तहत मामला दर्ज होने के बाद जांच एजेंसी उसकी फिर से कस्टडी की मांग कर सकती है। इस वजह से कराड की जमानत की राह मुश्किल हो गई है।

ठाणे में दरिंदगी की हद, दुष्कर्म

फेसबुक फ्रेंड ने महिला से कई बार किया दुष्कर्म, सिगरेट-गर्म तवे से दागा, 6 पर एफआईआर

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के एक व्यक्ति पर 27 वर्षीय महिला से बलात्कार करने, उसे ब्लैकमेल कर शादी के लिए मजबूर करने और उसे सिगरेट तथा गर्म तवे से जलाने का आरोप है। पुलिस ने इस बाबत जानकारी देते हुए बताया कि, चार साल पहले सोशल मीडिया के माध्यम से पीड़िता की आरोपी से दोस्ती हुई थी, जिसके बाद ये घटनाएं शुरू हुईं हैं। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर 38 वर्षीय व्यक्ति और उसकी मां समेत उसके परिवार के 5 सदस्यों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। उल्हासनगर कस्बे का निवासी आरोपी 2021 में फेसबुक पर स्थानीय निवासी पीड़िता का दोस्त बना था। विट्ठलवाड़ी थाने के एक अधिकारी ने बताया कि बाद में वह कथित तौर पर उसे कस्बे के एक लॉज में ले गया और उससे दुष्कर्म किया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

ड्रैगन और पाकिस्तान की बढ़ी बेचैनी!

समंदर में भारत होगा बादशाह, आज नौसेना को मिलेंगे 2 युद्धपोत और 1 सबमरीन

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। आज का दिन भारत के इतिहास में ऐतिहासिक बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मुंबई के नौसेना डॉकयार्ड में तीन अग्रणी नौसैनिक जहाज, आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरी, और आईएनएस वाघशीर को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इन खास जहाजों से भारत की रक्षा निर्माण क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इस बाबत प्रधानमंत्री मोदी ने पर पोस्ट करते हुए लिखा लिखा था कि, आज, 15 जनवरी, हमारी नौसेना क्षमताओं के लिए एक विशेष दिन होने जा रहा है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

यह ऐतिहासिक कार्यक्रम भारतीय नौसेना की युद्ध क्षमता को महत्वपूर्ण बढ़ावा देगा, साथ ही इससे स्वदेशी जहाज निर्माण में देश की प्रमुख स्थिति रेखांकित होगी। यह तीनों प्लेटफॉर्म को पूरी तरह से मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल), मुंबई में डिजाइन और निर्मित किया गया है, जो रक्षा उत्पादन के महत्वपूर्ण क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का प्रमाण है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

महंगाई की भ्रामक सुर्खियां

हरी सब्जियों के दाम में मौसमी गिरावट के साथ ही आलू के दाम 68 प्रतिशत बढ़ जाएं, तो घरेलू बजट को कितना लाभ होगा। नवंबर के 9.53 प्रतिशत की तुलना में दिसंबर में खाद्य मुद्रास्फीति के 8.39 फीसदी ही रहने का यही गणित है।

मुद्रास्फीति में कुछ दशमलव अंकों की गिरावट से वित्तीय अखबारों की सुर्खियां जितनी चमक जाती हैं, वैसी राहत आम उपभोक्ता को महसूस नहीं होती। हरी सब्जियों के दाम में मौसमी गिरावट के साथ ही आलू के दाम 68 प्रतिशत बढ़ जाएं, तो आखिर आम परिवार के घरेलू बजट को कितना लाभ होगा! दिसंबर 2024 में खाद्य महंगाई बढ़ने की दर नवंबर के 9.53 प्रतिशत की तुलना में 8.39 फीसदी रहने का यही गणित है। गौरतलब यह है कि दिसंबर में भी खाद्यों की खरीद पर आम परिवारों को औसतन आठ प्रतिशत से अधिक खर्च करना पड़ा। बढ़ोतरी का ये सिलसिला कोरोना काल के बाद से जारी है। इसलिए अस्वाभाविक नहीं है कि आम परिवारों की वास्तविक आय में सेंध लगती चली गई है, जिसका असर अब उपभोग और मांग के आंकड़ों में भी देखने को मिल रहा है। डॉलर की तुलना में रुपये की रोज गिरती कीमत के साथ आयात महंगे हो रहे हैं। इसलिए महंगाई से राहत की आगे भी कोई संभावना नहीं है। यानी घरों का बजट बिगड़ना जारी रहेगा। इसलिए उत्पादक अर्थव्यवस्था में कंपनियों का निजी निवेश बढ़ने की गुंजाइश बनती नहीं दिखती। और अब तो शेयर बाजार का जो हाल है, उससे वित्तीय अर्थव्यवस्था भी रोज झटके खा रही है। ये स्थिति किसी समझदार और संवेदनशील सरकार की नींद उड़ा देने के लिए काफी है। लेकिन नरेंद्र मोदी सरकार इससे अप्रभावित दिखती है। वह अपने बनाए नैरेटिव्स और गढ़े आंकड़ों के दड़बे से बाहर निकलने को तैयार नहीं है। संभवतः वह इन आंकड़ों से संतुष्ट है कि अभी भी देश में अरबपतियों की संख्या बढ़ रही है और अरबपतियों की कुल संपत्ति बढ़ी है। कैपिटलाइन के ताजा आंकड़ों के मुताबिक 2024 में भारत के अरबपतियों की संख्या 201 तक पहुंच गई। उनकी साझा संपत्ति एक ट्रिलियन डॉलर को पार कर गई है। मगर यह अर्थव्यवस्था की समृद्धि और खुशहाली का आंकड़ा नहीं है। यह क्रोनिज्म की झलक है। असल में ये सफलता आम बदहाली की कीमत पर हासिल की गई है। सरकार जितनी जल्दी इसे समझ ले बेहतर है, वरना भारत की संभावनाएं दीर्घकाल के लिए कुंद हो जाएंगी।

ट्रंप क्या-क्या कब्जाएंगे?

सन 1848 में दो साल लम्बी जंग के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका और मेक्सिको में एक संधि हुई थी। उसे ग्वालालुपे की संधि कहते है। इस संधि से जंग तो खत्म हुई मगर मेक्सिको ने अपना 55 प्रतिशत भूभाग गंवा दिया। इसी भूभाग पर आज के अमेरिकी राज्यों कैलिफोर्निया, नवादा, यूटा, न्यू मेक्सिको, एरीजोना और कॉलोराडो का अधिकांश और ओकलाहोमा, केनसस और वायोमिंग का कुछ हिस्सा है। इस संधि से उत्तरी मेक्सिको का एक बड़ा हिस्सा दक्षिणी टेक्सास बना। फिर, सन 1867 में अमेरिका के तत्कालीन विदेशमंत्री विलियम सूवर्ड ने रूस से 72 लाख डालर में अलास्का खरीदा। इस विशाल भूभाग का उस समय अमेरिका का हिस्सा बनना उसके लिए बहुत फायदेमंद रहा।

अब ट्रंप की धमकी है कि अमेरिका में रह रहे अप्रवासियों को मेक्सिको भेजेंगे और यदि मेक्सिको ने इन लोगों को नहीं लिया तो वहां से अमेरिका में आने वाले माल पर टैक्स बढ़ा देंगे। इसके बाद ट्रंप की जिस बात से दुनिया के कान खड़े हुए हैं वह है कनाडा, ग्रीनलैंड और पनामा नहर को अमेरिका में शामिल करने का उनका ख्याल। सात जनवरी को ट्रंप ने यह भरोसा देने से इंकार कर दिया कि वे ग्रीनलैंड तथा पनामा नहर पर कब्जे के लिए सेना और आर्थिक दबाव नहीं बनाएंगे। उनके अनुसार हमें अपनी सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड की जरुरत है। उन्होंने यह भी कहा कि डेनमार्क को आजाद दुनिया को बचाने के लिए ग्रीनलैंड पर कब्जा छोड़ देना चाहिए। उन्होने डेनमार्क पर भी कस्टम ड्यूटी की धमकी दी है। ट्रंप इस मामले में इतने गंभीर हैं कि उन्होंने आर्कटिक के इस द्वीप पर कब्जा करने की अपनी योजना के बारे में स्थानीय लोगों के विचार जानने के लिए अपने बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर को वहां भेजा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने बेटे की तस्वीरें मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के शीर्षक के साथ पोस्ट की है। डेनमार्क ने अमेरिका को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा है कि दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप बिकाऊ नहीं है। उधर ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूट बी. इगेडे ने ट्रंप के ग्रीनलैंड संबंधी इरादे को खारिज करते हुए कहा है, ग्रीनलैंड वहां रहने वालों का है और हमारा भविष्य और आजादी की हमारी लड़ाई हमारा पारस्परिक मसला है। लेकिन ट्रंप को जानने वालों का मानना है कि वे किसी हाल में पीछे नहीं हटने वाले हैं। सवाल है आखिर ट्रंप के लिए ग्रीनलैंड इतना महत्वपूर्ण क्यों है? ऐसा इसलिए क्योंकि रणनीतिक व आर्थिक दृष्टि से ग्रीनलैंड संभावनाओं से भरा हुआ है। यह द्वीप अमेरिका और रूस के बीच दुनिया के ऐसे हिस्से में स्थित है जहां जहाजों की आवाजाही आर्कटिक की बर्फ के पिघलने से अपेक्षाकृत आसान होती जा रही है। इस वजह से नए और अपेक्षाकृत छोटे और समुद्री मार्ग उभर रहे हैं। उदाहरण के लिए, आर्कटिक समुद्र के रास्ते पश्चिमी यूरोप से पूर्वी एशिया की दूरी स्वेज नहर से होकर जाने वाले मार्ग की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत कम है। आर्कटिक काउंसिल की हालिया रपट के मुताबिक पिछले एक दशक में आर्कटिक में जहाजों की आवाजाही में 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहां अमेरिका द्वारा अति महत्वपूर्ण माने गए 50 खनिजों में से 43 का भंडार है। संभवतः चीन के बाहर दुर्लभ तत्वों का सबसे बड़ा भण्डार वही है। ग्रीनलैंड के दूरदराज में स्थित होने और वहां के कठिन हालातों के चलते अब तक वहां के संसाधनों का कम दोहन हुआ है। द्वीप का 80 प्रतिशत हिस्सा बर्फ से ढका हुआ है। वहां मानव बस्तियों को जोड़ने वाली सड़कें तक नहीं हैं। सरकार ने 2021 से तेल की खोज पर पाबंदी लगा रखी है। लेकिन जैसे-जैसे जलवायु गर्म हो रही है, वहां के खनिज भंडारों तक पहुंच आसान होती जाएगी और वे अधिक मूल्यवान होते जाएंगे।

ट्रंप की लफ्फाजियों के चलते ग्रीनलैंड की ओर सभी का ध्यान आकर्षित हुआ है। वहां से आ रही खबरों के मुताबिक ग्रीनलैंडवासी इस बात से खुश है कि इससे उनकी आजादी का मसला दुबारा चर्चा में है। सन 1979 में ग्रीनलैंड को काफी स्वायत्ता दी गई थी हालांकि विदेशी मामलों और रक्षा पर डेनमार्क का नियंत्रण कायम है (इन मामलों पर यदाकदा ही ग्रीनलैंड वासियों से सलाह-मशविरा किया जाता है)। बहुत से ग्रीनलैंडवासियों का मानना है कि डेनमार्क ने द्वीप की सुरक्षा पर पर्याप्त खर्च नहीं किया है। वहां की 31 सदस्यीय संसद के लिए अप्रैल में चुनाव होना है। आजादी का मुद्दा चुनावों में वैसे भी सबसे महत्वपूर्ण था, लेकिन अब यह और अधिक महत्वपूर्ण होगा।

जहां तक ट्रंप का सवाल है, उनकी ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की योजना अभी तो बड़बोली सी है। इस बात की संभावना कम है कि वे इसके लिए सेना का इस्तेमाल करेंगे। लेकिन दुनिया आज जिसकी लाठी उसकी भैंस के जिस दौर में हैं उसमें कुछ भी संभव है।

चुनावी लुभावने वादे किसके दम पर...?

भोपाल। पिछली शताब्दी के सत्तर के दशक में एक फिल्म आई थी, जिसमें एक गाने के बोल थे- कसमें वादे प्यार वफा, सब बातें है, बातों का क्या...वैसे फिल्म में तो यह गाना उसके कथानक पर था, किंतु वास्तव में देखा जाए तो यह गाना फिल्म के कथानक से ज्यादा हमारे देश की राजनीति पर अवतरित होता है, अब इसे हमारे प्रजातंत्र या चुनाव प्रणाली का दोष कहे? या और कुछ, किंतु यह सही है कि चुनावों के समय विजय प्राप्त करने के लिए बढ़-चढ़कर आकर्षित व लोक-लुभावन नारे और वादे मतदाताओं के सामने परोसे जाते है और विजय प्राप्ति के बाद अगले चुनावों के लिए उन्हें लाल बस्तें में बंद करके रख दिया जाता है और यदि उन वादों में दो-चार प्रतिशत वादे पूरे भी किए जाते है तो वे राजनीतिक दल या उसके प्रत्याक्षी के खर्च पर नही बल्कि मतदाताओं के हितों के लिए रखी गई सरकारी राशि, जो स्वयं मतदाताओं से भारी करों के रूप में एकत्रित की जाती है, उसके दम पर।

हमारा भारत विश्व के सभी प्रजातांत्रिक देशों में सिरमौर माना जाता है, पूरी दुनिया के सामने हमारे देश की सरकार भारत को ऐसे प्रस्तुत करती है, जैसे इससे बड़ा लोक-कल्याणकारी देश विश्व में कोई नही, किंतु इस देश के भुक्तभोगी ही जानते है कि यह प्रजातंत्र उन्हें कितना भारी पड़ रहा है, अब जबकि हमारे देश के प्रजातंत्र की हम हीरक जयंति मना रहे है, तब हमारे संवैधानिक संगठनों को यह राजनीतिक छल समझ में आ रहा है, यद्यपि हमारे प्रजातंत्र की मूल परिभाषा के सभी अंगों पर सत्तारूढ़ सरकार अपना कब्जा करना चाहती है और फिर राजतंत्र को एकतंत्र के रूप में चलाना चाहती है, किंतु प्रजातंत्र के अंग विशेषकर न्यायपालिका अब इतनी सशक्त हो गई है कि वह सत्तारूढ़ दल की इस मनोकामना को पूरी नही होने दे रही है। जिसका ताजा उदाहरण भारतीय राजनीति के रेवड़ी कल्चर की सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दी गई फटकार है, इस फटकार में सर्वोच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीशों ने यहां तक कह दिया कि- केन्द्र तथा राज्य सरकारों के पास मुफ्त सुविधाओं के लिए पैसा है, जजों के वेतन और पेंशन के लिए नहीं, चुनाव आते ही रेवड़ियों की झड़ी लग जाती है। सर्वोच्च न्यायालय की इस फटकार को राजनीतिक सरकारों ने कितनी गंभीरता से लिया, इसका पता तो इसी से चल जाता है कि सरकारी पक्ष या विपक्ष के किसी भी राजनीतिक दल ने सर्वोच्च न्यायालय की इस टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त नही की, इससे स्पष्ट होता है कि पक्ष हो या विपक्ष सभी राजनीतिक दल एक ही थाली के चट्टे-बट्टे है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

अनाथ बच्चों को आदर्श व्यक्ति बनाने का तर्पण फाउंडेशन का कार्य विश्व का सर्वश्रेष्ठ कार्य है : राम शिंदे

मुंबई हलचल/संवाददाता

नवी मुंबई/ठाणे। अनाथ बच्चों को आदर्श व्यक्ति बनाने का तर्पण फाउंडेशन का कार्य विश्व का सर्वश्रेष्ठ कार्य है और विधान परिषद के सभापति के रूप में मैं अनाथ बच्चों से जुड़े मुद्दों को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध रहूंगा, ऐसा वक्तव्य विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे ने आज मुम्बई में आयोजित तर्पण युवा पुरस्कार समारोह में कहां। अनाथालयों और बालगृहों से बाहर निकले अनाथ बच्चों के लिए काम करने वाली संस्था तर्पण फाउंडेशन, युवाओं की अद्वितीय उपलब्धियों और योगदानों को सम्मानित करने, उनकी प्रशंसा करने और उन्हें प्रेरित करने के लिए हर साल 'तर्पण युवा पुरस्कार' का आयोजन करती है। यह इस पुरस्कार चौथा वर्ष है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रूप में विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे, महिला एवं बाल विकास विभाग की कैबिनेट मंत्री अदिति तटकरे, विधान परिषद के विधायक एवं तर्पण फाउंडेशन के संस्थापक श्रीकांत भारतीय उपस्थित थे। तथा विशेष अतिथि के रूप में वॉकहार्ट लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक डॉ. हुजैफा खोरेकीवाला, कोहिनूर समूह के संस्थापक और अध्यक्ष कृष्णकुमार गोयल और इस्कॉन के प्रवक्ता श्री नित्यानंद चरणदास उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में सनाथ वेलफेयर फाउंडेशन की संस्थापक श्रीमती गायत्री पाठक, स्नेहवन संस्था के संस्थापक अशोक देशमाने और श्री संस्कार मतिमंद मुलींचे वसतिगृह (मानसिक विकलांग बालिका छात्रावास) की अध्यक्ष श्रीमती मंगलताई वाघ को विधान परिषद के सभापति

प्रो. राम शिंदे और मंत्री अदिति तटकरे के हाथों तर्पण युवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुंबई से बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति, सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले धर्मार्थ संगठनों के प्रतिनिधि और सोशल मीडिया के प्रभावशाली लोग शामिल हुए।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. राम शिंदे ने आगे कहा कि पिछले 75 वर्षों में अनाथ बच्चों को आरक्षण देने का विचार किसी राजनेता के दिमाग में नहीं आया। तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने सरकारी नौकरियों में अनाथ बच्चों के लिए एक प्रतिशत आरक्षण देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने कहा कि हम अनाथालयों और बाल गृहों में रहने वाले अनाथ बच्चों की आयु सीमा 18 वर्ष से बढ़ाकर 21 वर्ष करेंगे और इस संबंध में सरकार के समक्ष प्रस्ताव पेश करेंगे। साथ ही हम म्हाडा फ्लैटों में अनाथ बच्चों के लिए स्थान आरक्षित करने के प्रस्ताव को सरकार से मंजूरी दिलाने का भी प्रयास करेंगे। इस समय सभापति राम शिंदे ने भी इस प्रस्ताव पर अपना समर्थन व्यक्त किया। इस अवसर पर बोलते हुए तर्पण फाउंडेशन के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक विधायक श्रीकांत भारतीय ने कहा कि अनाथ बच्चों को 18 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद बाल गृहों या अनाथालयों से निकाल दिया जाता है। लेकिन यह वह समय होता है जब उन्हें भविष्य के बारे में उचित मार्गदर्शन की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है। मार्गदर्शन के अभाव में बच्चों को भविष्य में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए हम 36 लोगों ने मिलकर ऐसे बच्चों के लिए 'तर्पण फाउंडेशन' की स्थापना की। आज इस संगठन को वटवृक्ष में परिवर्तित होते देखना खुशी की बात है। आज, मेरे 400 बच्चे, जो अनाथालयों से निकलकर अब अपने पैरों पर खड़े हैं, इस कार्यक्रम में सहभागी हुए हैं। हमारे संगठन ने चार वर्षों में 1,260 अनाथ बच्चों का पालन-पोषण किया है। देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री बनते ही सरकारी नौकरियों में अनाथ बच्चों के लिए एक प्रतिशत आरक्षण लागू किया। इसलिए अनाथ बच्चों को सरकारी नौकरियां मिल रही है।

मुश्किल में पड़े बागी नेता, नहीं मिलेगी बीजेपी में एंट्री!

नासिक। लोकसभा चुनाव में बीजेपी की हार के बाद विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के कई नेताओं ने बीजेपी का साथ छोड़ दिया था, कुछ ने निर्दलीय चुनाव लड़ा तो कुछ ने विपक्ष का हाथ थामकर चुनाव लड़ा। लेकिन सभी को नतीजे आने के बाद मुंह की खानी पड़ी। विधानसभा चुनावों के मद्देनजर, जिन भाज नेताओं ने पार्टी छोड़कर महायुति के खिलाफ चुनाव लड़ा था, उन्हें मनपा चुनावों की पृष्ठभूमि में फिर से पार्टी में आसानी से प्रवेश नहीं मिलेगा, यह बात स्पष्ट हो गई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता

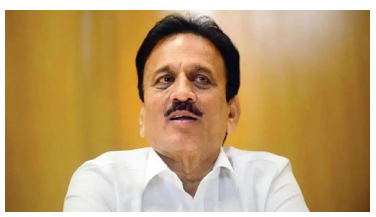

और मंत्री गिरीश महाजन ने इस बारे में संकेत दिए है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा के बागी नेताओं गणेश गिते, दिनकर पाटील और केदा आहेर ने पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ा था। इनमें से गिते और पाटील ने विरोधी दल में शामिल होकर चुनाव लड़ा, जबकि आहेर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में थे लेकिन इनमें से किसी को भी जीत नहीं मिली। अब आगामी मनपा चुनावों के मद्देनजर, ये बागी नेता पार्टी में वापस आने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन भाजपा के विधायकों ने उनका विरोध किया है। इस संदर्भ में, महाजन ने संकेत दिया है कि बागी नेताओं के बारे में अकेले निर्णय नहीं लिया जाएगा।

नाम परिवर्तन

पहले मेरे पिताजी का नाम सुरेश कुमार पाण्डेय था। अब मेरे पिताजी का नाम **सुरेश चंद्र पाण्डेय** है।

पता: रूम नंबर 58 श्री राम चाल, स्लॉट पेन रोड, विद्या लंकार कॉलेज मुंबई, संगम नगर वडाला ईस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र 400037

प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट संगठन के 2025 के नविन कैलेंडर का विमोचन गया

मुंबई हलचल/संवाददाता

धार। प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद खालिद कैस महासचिव श्रीमती शशि दीप के मार्गदर्शन में पूरे देश में पत्रकारों के हित में कार्य कर रहा है। संगठन का वार्षिक कैलेंडर 2025 के नविन कैलेंडर का विमोचन धार मे जिला न्यायाधीश व

जिला सचिव श्री उमेश कुमार सोनी, जिला विधिक सहायता अधिकारी सिमोन सुलिया एल ए डी सी एस चीफ श्री सतीश ठाकुर वरिष्ठ एडवोकेट शकील अहमद, धार जिला जेल अधीक्षक राजाराम दांगी, pcwj के राष्ट्रीय सदस्य सैयद रिजवान अली, इंदौर संभाग अध्यक्ष अल्ताफ खान द्वारा विमोचन किया गया सभी ने बधाई शुभकामनाएं दी।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

वाल्मिक कराड पर लगा मकोका

वाल्मिक कराड पर आरोप है कि जबरन वसूली का विरोध करने वाले सरपंच संतोष देशमुख की हत्या को अंजाम देने में उसकी प्रमुख भूमिका है। कराड के समर्थकों ने मंगलवार को परली में काफी उत्पात मचाया। कराड की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे उसके समर्थकों ने बसों में तोड़फोड़ करने के अलावा कई जगहों पर सड़कों को जाम करने की कोशिश की। ऐसी रिपोर्ट है कि कराड के खिलाफ मकोका के तहत मामला दर्ज किए जाने के बाद उसके समर्थक आक्रामक हो गए। इन लोगों ने परली बंद का आवाहन किया था। हिसा की आशंका को देखते हुए बस सेवा को भी रोक दिया गया था। वाल्मिक के समर्थन में उनकी मां भी आंदोलन पर उतर गई हैं। उन्होंने दावा किया कि मेरे बेटे के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज किया गया है। राजनीतिक बदले की भावना से मेरे बेटे को फंसाया जा रहा है। साथ ही इस मामले को सांप्रदायिक रूप भी दिया जा रहा है। कराड की मां ने परली पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन किया। कराड समर्थकों ने किया आत्मदाह का प्रयास परली में कराड समर्थक आक्रामक हो गए। जैसे ही कराड पर मकोका लगाया गया, कुछ समर्थकों ने सड़क पर टायर जलाए और बंद का आह्वान किया। इस बीच कराड के लिए कुछ समर्थकों ने आत्मदाह का प्रयास किया। बीड शहर पुलिस स्टेशन के बाहर समर्थकों की भारी भीड़ जमा हो गई। कराड के एक समर्थक ने बीड पुलिस स्टेशन के सामने खुद पर पेट्रोल डाल लिया, जिससे वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया।

ड्रैगन और पाकिस्तान की बढ़ी बेचैनी!

तीन अग्रणी नौसैनिक लड़ाकू जहाजों के शामिल होने से रक्षा में वैश्विक नेता बनने की हमारी कोशिशों को बल मिलेगा और आत्मनिर्भरता की दिशा में हमारी खोज को बल मिलेगा। इन युद्ध पोतों से नौसेना की समग्र प्रतिरोधक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। वह यह तीनों प्लेटफॉर्म झ निर्देशित मिसाइल विध्वंसक सूरत, स्टील्थ फ्रिगेट नीलगिरि और पनडुब्बी वाग्शीर झ नवीनतम हथियारों और सेंसरों से लैस हैं। युद्धपोतों में महिला अधिकारियों और नाविकों की एक बड़ी संख्या के लिहाज से विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं, जो कि भारतीय नौसेना की अग्रिम पंक्ति की लड़ाकू भूमिकाओं में लैंगिक समावेशन की दिशा में उठाए गए कदमों के अनुरूप है।

महाकुंभ में स्नान करने पहुंचे शरद पवार गुट के नेता का निधन

उनके करीबी ने यह जानकारी दी। वह 60 वर्ष के थे। घटना सुबह करीब साढ़े सात बजे गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदी के त्रिवेणी संगम पर हुई। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति पर अमृत स्नान के लिए महेश कोठे त्रिवेणी संगम गए थे। नदी के पानी में उन्हें दिल का दौरा पड़ा। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहा उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने कोठे के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मेरे पुराने सहयोगी महेश कोठे का प्रयागराज में निधन हो गया। महेश कोठे का सोलापुर शहर के सामाजिक व राजनीतिक परिदृश्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव था। उनके निधन से सोलापुर ने एक गतिशील और समर्पित कार्यकर्ता खो दिया। हम सभी दुख की इस घड़ी में कोठे परिवार के साथ खड़े हैं। भावपूर्ण श्रद्धांजलि! महेश कोठे का पार्थिव शरीर बुधवार को अंतिम संस्कार के लिए सोलापुर लाया जाएगा। कोठे ने 20 नवंबर को सोलापुर (उत्तर) से भाजपा के विजय देशमुख के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। कोठे के परिवार में पत्नी और एक बेटा है।

ठाणे में दरिंदगी की हद!

वहीं पीड़िता की शिकायत के हवाले से पुलिस ने बताया कि आरोपी ने पीड़िता का आपत्तिजनक वीडियो बनाया और उसकी बात नहीं मानने पर वीडियो को ऑनलाइन अपलोड करने की धमकी दी तथा कई मौकों पर उससे दुष्कर्म किया। पुलिस ने बताया कि बाद में पीड़िता को उस व्यक्ति से शादी करने के लिए मजबूर किया गया, जिसके बाद आरोपी और उसकी मां उसे मध्य प्रदेश के ग्वालियर ले गए जहां उन्होंने उसके बाल और भौहें भी काट दीं तथा उसे एक घर में बंधक बनाकर रखा। पुलिस ने यह भी बताया कि व्यक्ति ने कथित तौर पर पीड़िता को सिगरेट से जलाया और उसने और उसकी मां ने उसे गर्म तवे से मारा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने उसका आधार और पैन कार्ड के साथ-साथ बैंक की पासबुक भी ले ली और ऋण लेने के लिए उसके दस्तावेजों का दुरुपयोग किया। पुलिस ने कहा कि, उन्होंने पीड़िता को धमकी दी कि अगर उसने अपने पिता से उनकी पैसे की मांग पूरी नहीं की तो वे उसका आपत्तिजनक वीडियो ऑनलाइन अपलोड कर देंगे। महिला ने रविवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर संबंधित धाराओं में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने कहा कि इस संबंध में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, मामले की जांच भी जारी है।

खबर संक्षेप

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में 44 अरेस्ट

तिरुवनंतपुरम। केरल में दलित महिला एथलीट से किशोरावस्था में कई बार दुष्कर्म किए जाने के सनसनीखेज मामले में लगातार कार्रवाई की जा रही है। विशेष जांच दल (एसआईटी) ने इस मामले में अब तक 44 लोगों को गिरफ्तार किया है। 18 वर्षीय पीड़िता ने बताया था कि पिछले पांच साल में 62 लोगों ने उसका यौन शोषण किया था। उसकी आप बीती सामने आने पर पथानामथिट्टा जिले के दो थानों में कई एफआईआर दर्ज की गई थी। महिला के साथ कथित यौन उत्पीड़न के सिलसिले में 30 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।

अमृत ने बनाई अकाली दल वारिस पंजाब दे पार्टी

मुक्तसर। मेला माघी पर मुक्तसर में आयोजित सियासी कॉन्फ्रेंस के दौरान खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल की नई पार्टी 'अकाली दल वारिस पंजाब दे' की घोषणा कर दी गई है। पार्टी का अध्यक्ष असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद सांसद अमृतपाल को बनाया गया है। पार्टी की घोषणा अमृतपाल के पिता तरसेम सिंह और फरीदकोट से निर्दलीय सांसद सरबजीत सिंह ने की। उन्होंने कहा कि पार्टी को चलाने के लिए कमेटी बनाई गई है, वे सारा कार्यभार संभालेगी क्योंकि जेल से पार्टी चलाना कठिन है।

कर्नाटक की मंत्री लक्ष्मी की कार पेड़ से टकराई

बेंगलुरु। कर्नाटक की मंत्री लक्ष्मी हेब्बलकर मंगलवार सुबह बेलगावी जिले में एक पेड़ से टकराने के बाद एक बड़ी दुर्घटना में बाल-बाल बच गईं। यह दुर्घटना सुबह करीब 5 बजे कित्तूर के पास एक राजमार्ग पर हुई, जबहेब्बलकर के ड्राइवर ने सड़क पार कर रहे एक कुत्ते से टकराने से बचने की कोशिश की। दुर्घटना में टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के बाद कार के सभी छह एयरबैग खुल गए।

कहा- सहकारी चीनी मिलों को घाटे से उभारने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं

हरियाणा की सभी सहकारी चीनी मिलों में 'जैव ईंधन ब्रिकेटिंग प्लांट' स्थापित किए जाएं : नायब

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश की सभी सहकारी चीनी मिलों में जैव ईंधन ब्रिकेटिंग प्लांट स्थापित किए जाएं ताकि चीनी-मिलों की वित्तीय स्थिति में भी सुधार आ सके। मुख्यमंत्री आज चंडीगढ़ में नारायणगढ़ शुगर मिल की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कैथल सहकारी चीनी में पायॅलट प्रोजेक्ट के तौर पर जैव ईंधन ब्रिकेटिंग प्लांट की स्थापना का कार्य शुरू किया जा चुका है, जिसमें बैगास की ब्रिकेट बनाकर हरियाणा के थर्मल पावर प्लाटों तथा अन्य उपभोक्ताओं को विक्रय किया जा रहा है। इससे चीनी-मिल की वित्तीय स्थिति में भी काफी सुधार आया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि इसी तर्ज पर प्रदेश की अन्य सहकारी चीनी मिलों में भी जैव ईंधन ब्रिकेटिंग प्लांट की स्थापना की जाए। इससे चीनी -मिलों की वित्तीय स्थिति में भी सुधार आ सकेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि सहकारी चीनी मिलों को घाटे से उभारने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं।

लगातार सुधार पर मुख्यमंत्री ने खुशी जाहिर की

मुख्यमंत्री सैनी ने राज्य में सरकार द्वारा सहकारी चीनी मिलों एवं किसानों के हित में उठाए जा रहे कदमों एवं सहकारी चीनी मिलों की कार्यकुशलता में लगातार सुधार पर खुशी जाहिर की। मुख्यमंत्री को बैठक में जानकारी दी गई कि वर्तमान पिराई सत्र 2024-25 में 13 जनवरी तक शुगरफैड से संबंधित सभी सहकारी चीनी मिलों ने कुल 113.56 लाख क्विंटल गन्ने की पिराई करते हुए औसत चीनी रिकवरी 8.70 प्रतिशत के साथ 9.18 लाख क्विंटल चीनी का उत्पादन किया है। पिछले पिराई सत्र 2023-24 में रोहतक, सोनीपत, जींद, पलवल, महम, कैथल और गोहाना सहकारी चीनी मिलों ने लगभग 7.14 लाख क्विंटल बैगास की बचत करते हुए 1630.31 लाख रुपए का अतिरिक्त राजस्व अर्जित किया था। बैठक में शुगरफेड के चेयरमैन धर्मबीर सिंह डागर ने भी चीनी -मिलों की वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए सुझाव दिए।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर बैठक में मुख्य सचिव विवेक जोशी , मुख्यमंत्री के प्रमुख प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, वित्त एवं योजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी,खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण ,मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव साकेत कुमार , कृषि विभाग के निदेशक राजनारायण कौशिक , खाद्य , नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के निदेशक राजेश जोगपाल , हरियाणा स्टेट फेडरेशन ऑफ़ कोपरेटिव शुगर मिल्स के प्रबंध निदेशक शक्ति सिंह आदि थे।

भाजपा ने मिल्कीपुर सीट पर खोले पत्ते, चंद्रभान प्रत्याशी घोषित

नई दिल्ली। भाजपा ने उत्तर प्रदेश की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए चंद्रभान पासवान को अपना प्रत्याशी घोषित किया है। पासवान पेशे से वकील हैं। मिल्कीपुर के उपचुनाव में प्रमुख दावेदारों में शामिल थे। वह भाजपा की जिला इकाई में कार्य समिति के भी सदस्य हैं। उनकी पत्नी रुदौली से दो बार से जिला पंचायत सदस्य हैं। उनके पिता बाबा राम लखन दास ग्राम प्रधान है। मिल्कीपुर सीट पर सालों से समाजवादी पार्टी का ही कब्जा रहा है। ये सीट सपा का गढ़ मानी जाती है। साल 1991 से अब तक भाजपा यहां सिर्फ दो बार चुनाव जीती है, जबकि छह बार सपा और दो बार बसपा से विधायक रहे हैं।

सपा के उम्मीदवार को कांग्रेस ने दिया समर्थन

इससे पहले सपा ने इस सीट पर सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। कांग्रेस ने इस सीट पर अपना उम्मीदवार न उतारकर गठबंधन के प्रत्याशी को समर्थन देने का ऐलान किया है। वहीं बसपा ने इस सीट पर चुनाव न लड़ने का एलान कर दिया था। कांग्रेस और बसपा के इस चुनाव में सीधे तौर पर न आने से भाजपा और सपा के उम्मीदवार में सीधी टक्कर होगी। अब देखना यह होगा कि जनता किसे अपना नेता चुनती है।

दोनों के लिए नाक का सवाल बनी

मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर 5 फरवरी को वोटिंग और 8 फरवरी को मतगणना होगी। नवंबर में हुए नौ विधानसभा सीटों के उपचुनाव में सिर्फ दो सीटें जीतने वाली सपा को झटका लगा था। मिल्कीपुर से सटी कटेहरी सीट पर उसे हार का सामना करना पड़ा था। इस सीट से पार्टी के विधायक रहे लालजी वर्मा के सांसद बनने के बाद हुए उपचुनाव में भाजपा ने जीत दर्ज की थी। वहीं उपचुनाव में जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह है। कांग्रेस और बसपा के चुनाव में नहीं होने के बाद अब मिल्कीपुर विधानसभा सीट दोनों पार्टियों के लिए नाक का सवाल बनी हुई है।

गोयल ने हल्दी बोर्ड का किया उद्घाटन

5 साल में दोगुना उत्पादन करने का लक्ष्य, 20 लाख टन उत्पादन

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड अगले पांच साल में हल्दी का उत्पादन दोगुना कर 20 लाख टन तक पहुंचाने में मदद करेगा। साथ ही, हल्दी के निर्यात को बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय बाजार में नए अवसर तलाशने के लिए भी प्रयास किए जाएंगे। मंत्री गोयल ने पल्ले गंगा रेड्डी को बोर्ड का पहला अध्यक्ष नियुक्त करने की भी जानकारी दी। राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का मुख्यालय निजामाबाद में स्थापित किया गया है। उन्होंने इसे एक शुभ दिन बताते हुए कहा कि यह बोर्ड हल्दी किसानों के जीवन को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

हल्दी किसानों को होगा फायदा

केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि हल्दी को 'गोल्डन स्पाइस' कहा जाता है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार किसानों की आय बढ़ाने और हल्दी के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिबद्ध है। हल्दी बोर्ड महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, मेघालय सहित 20 राज्यों में हल्दी किसानों के कल्याण पर विशेष ध्यान देगा। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना को हल्दी उत्पादन के लिए खास क्षेत्र बताते हुए उन्होंने कहा कि इन राज्यों में उत्पादन बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं।

दुनिया के सबसे बड़े उत्पादक-निर्यातक

भारत दुनिया का सबसे बड़ा हल्दी उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक है। भारत की वैश्विक व्यापार में हिस्सेदारी 62फीसदी से ज्यादा है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत ने 226.5 मिलियन डॉलर मूल्य की 1.62 लाख टन हल्दी और हल्दी से बने उत्पादों का निर्यात किया। गोयल ने उम्मीद जताई कि राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के प्रयासों से हल्दी किसानों की आय में वृद्धि होगी और भारत का हल्दी उत्पादन और निर्यात नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगा।

शरद ने दिया इंडी गठबंधन को झटका

अकेले लड़ने के दिए संकेत 'आप' का समर्थन करेंगे

मुंबई हलचल / मुंबई

महाराष्ट्र में आगामी स्थानीय चुनाव से पहले महा विकास अघाड़ी गठबंधन टूट की कगार पर पहुंचता दिख रहा है। दरअसल हाल ही में शिवसेना यूबीटी ने स्थानीय चुनाव अकेले लड़ने का ऐलान किया था। अब एनसीपी एसपी प्रमुख शरद पवार ने भी ऐसे संकेत दिए हैं कि उनकी पार्टी भी स्थानीय चुनाव अकेले लड़ सकती है। शरद ने कहा कि अगले 8-10 दिन में बैठक होगी, जिसमें इस पर फैसला होगा कि चुनाव गठबंधन में लड़ा जाए या फिर अकेले। पवार से जब इंडी गठबंधन को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि 'इंडी गठबंधन में कभी भी राज्य और स्थानीय चुनाव को लेकर चर्चा नहीं हुई। गठबंधन सिर्फ राष्ट्रीय स्तर के चुनाव के लिए था। महाराष्ट्र के आगामी निकाय चुनाव में हम गठबंधन के साथ चुनाव लड़ेंगे या अकेले, इसका फैसला 8-10 दिन में होगा। दिल्ली विधानसभा चुनाव में हमें अरविंद केजरीवाल की मदद करनी चाहिए।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह 3 दिनी गुजरात दौरे पर अहमदाबाद पहुंचे

पतंग काटकर खुशी से चिल्लाए...बेहद उत्सुक दिखे

मुंबई हलचल / अहमदाबाद

गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को मकर संक्रांति के मौके पर गुजरात में खूब पतंगबाजी की और पतंग भी काटी। इस दौरान शाह बेहद उत्सुक नजर आए और पतंग काटने के बाद जोर-जोर से चिल्लाते हुए पतंग काटने की खुशी मनाते दिखे। वे गुजरात के तीन दिवसीय दौरे पर है। इस मौके को गुजरात के लोग पतंग उड़ाकर सेलिब्रेट करते हैं। शाह ने अहमदाबाद की शांतिनिकेतन सोसाइटी की छत पर पतंग उड़ाई। शाह ने एक्स पर लिखा, घाटलोडिया विधानसभा में उत्तरायण पतंग महोत्सव मनाया। उत्तरायण का यह त्योहार सभी के जीवन में नई ऊर्जा का संचार करे।

आज गुजरात को देंगे कई सौगातें

दौरे को लेकर गृह मंत्रालय ने विज्ञप्ति में बताया कि वे इस दौरान कई परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। घाटलोडिया क्षेत्र में एक नए थाना परिसर और 920 अपार्टमेंट की आधारशिला रखेंगे। 15 जनवरी को शाह अंबोद गांव के पास साबरमती नदी पर एक बैराज की आधारशिला रखेंगे। मनसा में एक सर्किट हाउस का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन करेंगे। साणंद को कलोल से जोड़ने वाली दो लेन सड़क को चार लेन सड़क में बदलने की परियोजना की आधारशिला रखेंगे। कलोल तालुका केलावनी मंडल में एक शैक्षणिक संस्थान के परिसर के सभागार का उद्घाटन करने के बाद लोगों को संबोधित करेंगे। सैज गांव के पास एक रेलवे अंडरब्रिज और शहर के बोपल इलाके में कृष्णा शाल्बी मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। यह अस्पताल गुजरात का पहला बोन बैंक है।

लोगों को दी शुभकामनाएं

इस दौरान पोस्ट में सीएम भूपेंद्र पटेल ने लिखा, शाह ने मेमनगर में शांतिनिकेतन सोसाइटी में स्थानीय लोगों के साथ मकर संक्रांति मनाई और सभी को उत्सव की शुभकामनाएं दी। सोसाइटी के लोगों ने रंग-बिरंगी पतंगों और रंगों से अपने घरों को सजाया। लोगों का इस गर्मजोशी के स्वागत के लिए धन्यवाद।

कल करेंगे उद्घाटन और 'फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन' की शुरुआत

16 जनवरी को मेहसाणा जिले के वडनगर का दौरा करने के बाद संग्रहालय और खेल परिसर सहित कई परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। साइंस कॉलेज में एक जन सभा को संबोधित करेंगे और वडनगर में हाटकेश्वर मंदिर में पूजा करेंगे। मेहसाणा में गणपत विश्वविद्यालय के 18वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। गुरुवार को सरदार पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सभी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के लिए 'फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन' कार्यक्रम की शुरुआत भी करेंगे।

'परीक्षा पे चर्चा': पीएम मोदी और छात्रों के बीच संवाद

कार्यक्रम के लिए रिकॉर्ड 3.25 करोड़ पंजीकरण बड़ी संख्या में विदेशी छात्र भी शामिल हो रहे हैं

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी और छात्रों के बीच संवाद का कार्यक्रम 'परीक्षा पे चर्चा' के लिए हर बार की तरह इस बार भी काफी छात्रों में काफी उत्साह है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक 'परीक्षा पे चर्चा' (पीपीसी 2025) का हिस्सा बनने के लिए अभी तक परीक्षा पे चर्चा में शामिल होने के लिए 3.25 करोड़ से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराए हैं जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। पीपीसी में पंजीयन कराने वालों में बड़ी संख्या में विदेशी छात्र भी शामिल हैं।

स्कूल स्तर पर कई गतिविधियां

पीपीसी की भावना के अनुरूप, 12 जनवरी 2025 (राष्ट्रीय युवा दिवस) से 23 जनवरी 2025 (नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती) तक स्कूल स्तर पर कई आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इन गतिविधियों का उद्देश्य छात्रों के समग्र विकास को प्रोत्साहन देना और परीक्षाओं को उत्सव के रूप में मनाने के लिए प्रेरित करना है।

पंजीकरण का आज आखिरी दिन

पीपीसी 2025 के लिए ऑनलाइन पंजीकरण माईगोवडॉटइन पर 14 दिसंबर 2024 से प्रारंभ हुआ। 14 जनवरी, मंगलवार को पंजीकरण का आखिरी दिन है, इसके बाद पंजीकरण प्रक्रिया बंद कर दी जाएगी।

आईएसएसके 2024 बैच के प्रोबेशनर्स से राष्ट्रपति मुर्मू ने की मुलाकात, कहा

गरीबों और वंचितों के प्रति रहें संवेदनशील

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारतीय सांख्यिकी सेवा (आईएसएस) के 2024 बैच के प्रोबेशनर्स के एक समूह ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। प्रोबेशनर्स को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने आईएसएस अधिकारियों से डेटा एकत्र करते समय आम लोगों खासकर गरीबों और वंचितों की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील रहने का आग्रह किया। उनके द्वारा एकत्र किए गए सभी आंकड़ों को संसाधित और विश्लेषित किया जाएगा और अंततः लोगों की जरूरतों को पूरा करने और उनके सपनों को पूरा करने में मदद करने के लिए उपयोग किया जाएगा।

सांख्यिकी विश्लेषण शासन में पारदर्शिता लाने का एक उपकरण

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि सरकारें स्वास्थ्य, शिक्षा, जनसंख्या आकार और रोजगार आदि पर डेटा एकत्र करने के लिए राष्ट्रीय सांख्यिकीय प्रणालियों पर निर्भर करती हैं, जो नीति-निर्माण का आधार बनती हैं। सांख्यिकी विश्लेषण शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही लाने का एक उपकरण है। सांख्यिकी न केवल कुशल शासन की रीढ़ है, बल्कि सामाजिक-आर्थिक विकास का एक उपकरण भी है। सरकार को नीतियों को बनाने, लागू करने और निगरानी करने के साथ-साथ नीति समीक्षा और प्रभाव आकलन के लिए डेटा की आवश्यकता होती है।

सांख्यिकी शोध से ही बनेगी रणनीति

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत समावेशी और सतत विकास की ओर बढ़ रहा है, पर्यावरणीय प्रभावों और जलवायु परिवर्तन की निगरानी में सांख्यिकीय अनुसंधान एक बड़ी भूमिका निभाएगा। ऊर्जा खपत और कार्बन उत्सर्जन से संबंधित संकेतकों पर नज़र रखने के लिए आईएसएस अधिकारियों द्वारा किए गए शोध से भारत सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए डेटा-संचालित रणनीति बनाने में सक्षम हो सकता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बजट से पहले अर्थशास्त्रियों ने लगाया अनुमान

बजट में महिलाओं के लिए नकद अंतरण की केंद्रीय योजना लाने पर विचार कर सकती है सरकार

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

केंद्र सरकार के प्रस्तावित बजट से पहले अर्थशास्त्रियों ने कहा कि सरकार बजट में महिलाओं की सहायता के लिए नकद अंतरण की केंद्रीय योजना लाने पर विचार कर सकती है। साथ ही अर्थव्यवस्था को गति देने और खपत बढ़ाने के लिए चाहे वह प्रत्यक्ष कर हो या फिर अप्रत्यक्ष कर, करों में कटौती पर गौर कर सकती है।

- **अर्थव्यवस्था को गति देने व खपत बढ़ाने पर होगा गौर**

अर्थशास्त्रियों का यह भी कहना है कि ऊर्जा बदलाव और जलवायु परिवर्तन से प्रभावित कृषि और तटीय गतिविधियों जैसे क्षेत्रों लिए एक नई सब्सिडी व्यवस्था की आवश्यकता है, जिसपर बजट में ध्यान दिया जा सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एक फरवरी

महिलाओं को नकद हस्तांतरण अच्छा

इस संबंध में एनआईपीएफपी में प्रोफेसर और म्यूनिख स्थित इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस की संचालन प्रबंधन मंडल की सदस्य लेखा चक्रवर्ती ने कहा, "महिलाओं के हाथों में नकद हस्तांतरण एक अच्छा कदम हो सकता है, लेकिन यह आजीविका संकट से निपटने के लिए अल्पकालिक उपाय है। महिलाओं को रोजगार और कर्ज वितरण सुनिश्चित करना उन्हें लंबे समय में मदद कर सकता है।"

नकद अंतरण की केंद्रीय योजना लाने पर हो विचार

बजट में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को लेकर उम्मीद के बारे में पूछे जाने पर अर्थशास्त्री और मद्रास स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स के निदेशक प्रोफेसर एन आर भानुमूर्ति ने कहा, 'बजट में महिलाओं की सहायता के लिए नकद अंतरण की केंद्रीय योजना लाने पर विचार किया जा सकता है। इसका कारण हमने अध्ययन में पाया है कि इससे वास्तव में परिवार को खासकर पोषण के मामले में ज्यादा लाभ मिल रहा है।'

कृषि क्षेत्र में मशीनीकरण बढ़े

चतुर्वेदी ने कहा, 'हालांकि, सरकार इसे कृषि से जुड़ी विनिर्मित वस्तुओं की खरीद से जोड़ सकती है ताकि कृषि क्षेत्र में मशीनीकरण बढ़े। इसलिए 6,000 रुपये नकद देने के बजाय, उन्हें ज्यादा राशि दी जा सकती है ताकि वे कृषि के लिए उपयोगी छोटे उपकरण खरीद सकें। इससे विनिर्माण के साथ-साथ कृषि क्षेत्र में मशीनीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा।'

किसान सम्मान निधि बढ़ाने पर हो विचार

इस बारे में भानुमर्ति ने कहा, "हालांकि, किसान सम्मान निधि एक सार्वभौमिक योजना है। इसका लाभ बड़े किसानों को भी मिल रहा है। ऐसे में इसपर अध्ययन कराये जाने की जरूरत है ताकि जिन्हें जरूरत है, उन्हें लाभ मिले और अध्ययन के बाद ही इस मद में दी जाने वाली राशि बढ़ाने या घटाने पर विचार किया जाना चाहिए।"

कृषि क्षेत्र में काम करने की जरूरत

लेखा चक्रवर्ती ने कहा, "कृषि क्षेत्र में सकल पूंजी निर्माण में वृद्धि की आवश्यकता है। लक्षित नकद हस्तांतरण कृषि क्षेत्र में समस्याओं को हल करने के लिए केवल अस्थायी समाधान हो सकता है। इसके साथ जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को देखते हुए कृषि क्षेत्र में काम करने की जरूरत है।"

ब्रह्ममुहुर्त में गोरक्षपीठाधीश्वर सीएम ने अर्पित किया खिचड़ी का भोग, हजारों श्रद्धालुओं का उमड़ा है सैलाब

गोरखपुर। मकर संक्रांति पर मंगलवार को नाथ पंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार ब्रह्ममुहुर्त में लगभग 4 बजे CM योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ को खिचड़ी का भोग अर्पित कर लोक कल्याण की मंगल कामना किए। इसके बाद नेपाल राजपरिवार की ओर से आयी खिचड़ी चढ़ाई गई और फिर खिचड़ी चढ़ाने आए श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के कपाट खोल दिए गए। कपाट खुलने के साथ ही श्रद्धालुओं ने खिचड़ी चढ़ानी शुरू कर दी। सीएम योगी ने कहा कि देश के सभी क्षेत्रों में मकरसंक्रांति पर्व उत्सव के साथ मनाया जाता है, यह उत्सव भारत की सनातन धर्म की एकजुटता और एकता का प्रतीक है। गुरु गोरखनाथ को नेपाल राज परिवार की ओर से खिचड़ी चढ़ाने की परंपरा वर्षों पुरानी है। पहले राज परिवार के लोग यहां आकर खिचड़ी चढ़ाते थे। सोमवार को ही नेपाल राज परिवार की खिचड़ी यहां पहुंच गई थी। खिचड़ी के पर्व को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। श्रद्धालुओं को कोई दिक्कत न हो इसके लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने व्यापक तैयारी की है। पूरा मेला परिसर दुल्हन की तरह सजाया गया है। सोमवार को एटीएस ने भी सुरक्षा कमान संभाल ली। पैमाने पर सीसी कैमरा, पीए सिस्टम व ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जा रहा है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जानलेवा कैंसर को जड़ से खत्म करता है 'मीठा करेला' !

आज की मॉडर्न लाइफस्टाइल में वैज्ञानिक हर रोज नई-नई खोज कर रहे हैं लेकिन अभी तक कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का इलाज नहीं मिल सका। यहीं कारण है कि आज पूरी दुनिया में कैंसर से लाखों लोग मौत के शिकार हो रहे हैं हालांकि आयुर्वेद में सभी प्रकार की बीमारियों के उपचार की बात की गई है लेकिन जानकारी न होने की वजह से लोगों को इसका फायदा नहीं मिल पा रहा है।

आज हम आपको एक ऐसी सब्जी के बारे में बताने जा रहे है जिसे दुनिया की सबसे ताकतवर सब्जी माना जाता है। इसका सेवन करने से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी जड़ से खत्म हो जाती है और शरीर को ताकत मिलती है। करेले जैसे दिखने वाली यह सब्जी कंटोला बाजार में आसानी से मिल जाता है। इसे मीठा करेला के नाम से भी जाना जाता है। इस सब्जी को आप 100 रुपए प्रति किलो से लेकर 150 रुपए प्रति किलो में खरीद सकते है। यह खाने में भी बहुत स्वादिष्ट होता है। हर उम्र के लोग इसका सेवन कर सकते है।

1. कंटोला में फाइटोकेमिकल्स, प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट, मोमोरडीसिन और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है।
2. इस सब्जी में मीट के तुलना में 50 गुना अधिक प्रोटीन और ताकत होती है।
3. इसमें फाइटोकेमिकल्स, प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट, मोमोरडीसिन और फाइबर कैंसर और दिल संबंधी बीमारियों की रोकथाम में बेहद मददगार है।
4. ये सब्जी आपका वजन कम करने में भी मददगार होती है।

रोजाना शंख बजाकर दूर भगाएं तनाव से लेकर चेहरे की झुर्रियां

पूजा-अर्चना में शंख बजाने का चलन बहुत पुराना है। मगर क्या आप जानते हैं कि रोजाना शंख बजाना आपकी सेहत के लिए कितना अच्छा होता है। इतना ही नहीं, रोज शंख बजाने और इसमें रखा पानी पीने से आपकी स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के साथ कई ब्यूटी प्रॉब्लम्स भी दूर होती हैं। तो आइए जानें, रोजाना शंख बजाने या इसका पानी पीने से आपको क्या-क्या फायदे मिलते हैं।

शंख बजाने के फायदे

1. झुर्रियां दूर करें

अगर आप समय से पहले आने वाली झुर्रियों की समस्या को लेकर परेशान है तो रोजाना शंख बजाने से आपको इससे छुटकारा मिल जाएगा। दरअसल, शंख बजाने से आपके फेस की मसल्स स्ट्रेच होती हैं, जिससे फाइन लाइन्स दूर हो जाती है।

2. स्किन प्रॉब्लम

स्किन प्रॉब्लम जैसे पिपंल्स, छाइयां, डार्क पैचेस या त्वचा रोग को दूर करने के लिए भी शंख फायदेमंद होता है। इसके लिए आप रातभर शंख में पानी भरकर रखें और सुबह इससे त्वचा की मसाज करें। इससे आपकी सभी स्किन प्रॉब्लम दूर हो जाएगी।

3. एलर्जी या रैशेज

एलर्जी, रैशेज या सफेद दाग जैसी स्किन प्रॉब्लम से छुटकारा पाने से लिए शंख के पानी से त्वचा की मसाज करें। इसके अलावा रातभर भिगा हुआ पानी सुबह पीने से भी आपकी स्किन प्रॉब्लम दूर हो जाएगी।

4. तनाव

रोज शंख बजाने से आपका तनाव भी दूर हो जाता है क्योंकि इससे आपके दिमाग में खून का संचार ठीक से होता है और इससे स्ट्रेस लेवल कंट्रोल में रहता है। इसके अलावा इससे आपका दिमाग दिनभर शांत भी रहता है।

5. पेट में गैस की समस्या

शंख बजाने से आपकी रेक्टल मसल्स सिकुड़ती और फैलती हैं, जिसके कारण शरीर के अंदरूनी अंगो की एक्सरसाइज हो जाती है। इससे आपकी गैस की समस्या दूर हो जाती है।

6. हड्डियों और आंखों के लिए फादेमंद

शंख में कैल्शियम, गंधक और फास्फोरस जैसे गुण पाए जाते हैं इसलिए इसमें रखा पानी पीने से आंखों की रोशनी तेज होती है। इसके अलावा रोज शंख में रखा पानी पाने और उसे बजाने से हड्डियां भी मजबूत होती है।

7. फेफड़ों के लिए फायदेमंद

शंख बजाने से आपके फेफड़ों की बढ़िया एक्सरसाइज हो जाती है, जिससे वह हमेशा स्वस्थ रहते हैं। इसके अलावा जिन लोगों को सांस संबंधी समस्याएं है उन्हें भी शंख बजाने से इन प्रॉब्लम से छुटकारा मिल सकता है।

खांसी-जुकाम से हो गए हैं बेहाल तो दवा नहीं अपनाएं ये देसी नुस्खे

मौसम में बदलाव आते ही खांसी-जुकाम होने लगता है। बहता हुआ नाक, सिर दर्द ,बदन दर्द से इंसान की हालत खराब हो जाती है। इससे तुरंत राहत पाने के लिए लोग कई सारी दवाइयों का सहारा लेते हैं। इन दवाओं से खांसी-जुकाम तो ठीक हो जाती है। मगर सेहत पर गलत असर पड़ता है। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसे आसान से नुस्खे बताएंगे जो बिना साइड-इफैक्ट के खांसी-जुकाम ठीक कर देंगे।

1. हल्दी

खांसी-जुकाम से राहत पाने के लिए 1 गिलास गर्म दूध में एक चम्मच हल्दी पाउडर मिलाकर पीएं। इसके साथ ही सूखी हल्दी को जलाकर उसका धुंआ सूंघने से जुकाम ठीक होता है।

2. गेहूं की भूसी

खांसी-जुकाम ठीक करने के लिए भूसी का इस्तेमाल करें। 2 गिलास पानी में 10 ग्राम गेंहू की भूसी, 5 लौंग और 2 चुटकी काला नमक डालकर तब तक उबालें जब तक पानी आधा न रह जाए। इस तैयार काढ़े को पीने से खांसी जुकाम में तुरंत सुधार होगा।

3. तुलसी

तुलसी खांसी-जुकाम के लिए किसी औषधि से कम नही हैं। तुलसी के 2 से चार पत्ते चबाने से गले की खराश और खांसी से राहत मिलती है। आप चाहें तो इसे चाय में उबालकर भी पी सकते हैं।

4. अदरक

अदरक के रस शहद में मिलाकर खाने से भी खांसी दूर होती है। वलगम होने पर रात को सोने से पहले दूध या चाय में अदरक उबालकर पीएं। आपकी सेहत में जल्द सुधार होगा।

5. इलाइची

इसको चाय में उबालकर पीने से जुकाम- खांसी नही होता। यदि फिर भी जुकाम हो जाए तो इलाइची के दानों को रुमाल में लपेटकर सूंघने से जुकाम से निजात मिलती है।

6. हर्बल टी

सिर दर्द, जुकाम ,बुखार, खांसी होने पर हर्बल चाय पीएं। यह शरीर को गर्म रखती है और बीमार होने से बचाती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कार्तिक की अपकमिंग मूवी में होंगी जाह्नवी

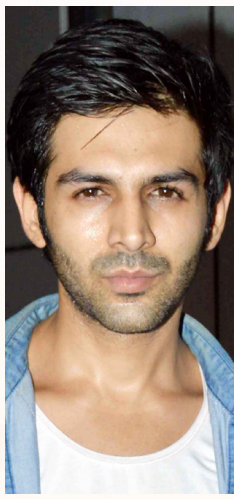

कार्तिक आर्यन और जाह्नवी कपूर दोस्ताना 2 नाम की फिल्म में नजर आने वाले थे। इस फिल्म का निर्माण करण जौहर करने वाले थे। लेकिन कोविड-19 महामारी की वजह से फिल्म बंद हो गई और उसके बाद दोबारा कभी शुरू नहीं हुई। अब यह चर्चा तेज हो गई है कि जाह्नवी कपूर और कार्तिक आर्यन एक साथ नजर आएंगे। हालांकि यह किस फिल्म में एक साथ होंगे इसके बारे में अभी कोई जानकारी नहीं मिली है। कार्तिक आर्यन और करण जौहर एक साथ नजर आए, करण जौहर जाह्नवी कपूर के साथ भी नजर आए। इस दौरान करण जौहर का आउटफिट एक ही था लोगों ने यह अंदाजा लगाया कि दोनों एक ही वक्त पर मिले हैं। कार्तिक आर्यन और जाह्नवी कपूर के साथ जब करण जौहर की एक ही कॉस्ट्यूम वाली तस्वीर वायरल हुई, तो लोगों ने अंदाजा लगाना शुरू कर दिया कि दोनों के साथ करन जौहर ने अपकमिंग फिल्म को लेकर मीटिंग की है। मतलब साफ है कि कार्तिक आर्यन जाह्नवी कपूर एक साथ किसी फिल्म में नजर आएंगे। अब दोनों की जोड़ी करण जौहर की अपकमिंग फिल्म तू मेरी मैं तेरा में बनने वाली है या फिर यह दोस्ताना 2 के टलने के बाद किसी नई फिल्म को लेकर बात कर रहे हैं, इस पर कोई जानकारी नहीं मिली है। कार्तिक आर्यन के काम की अगर बात करें तो कार्तिक आर्यन फिलहाल भूल भुलैया 3 की सफलता का जश्न मना रहे हैं, तो वहीं सफलता के हिसाब से 2024 कार्तिक आर्यन के लिए अच्छा साल साबित हुआ है।

रजनीकांत की वापसी

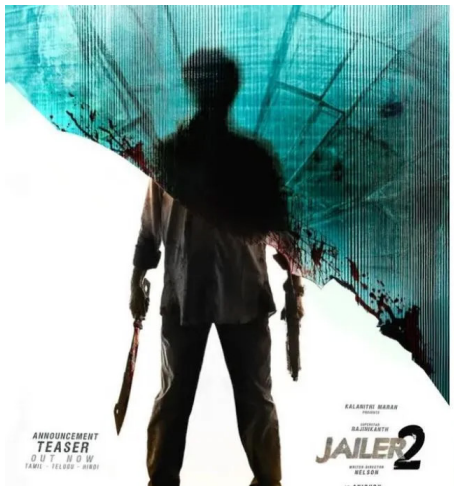

सुपरस्टार रजनीकांत 2023 की अपनी फिल्म जेलर के सीक्वल में टाइगर मुथुवेल पांडियन के रूप में अपनी प्रतिष्ठित भूमिका को फिर से निभाने के लिए वापस आ गए हैं। सीक्वल का आधिकारिक नाम जेलर 2 है। फिल्म का निर्देशन फिर से नेल्सन दिलीपकुमार करेंगे। फिल्म के निमार्ताओं ने सीक्वल की घोषणा करने के लिए एक दमदार टीजर जारी कर दिया है जिसमें रजनीकांत एक बार फिर अपने ठंडे, गणनात्मक और फिर भी हिंसक अवतार में दिखाई दे रहे हैं। जेलर 2 के 4 मिनट लंबे अनाउंसमेंट टीजर में निर्देशक नेल्सन और संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर फिल्मों के बारे में अपनी सामान्य बातचीत करते हुए दिखाई देते हैं। टीजर में जब छत और खिड़कियों से लोगों का एक समूह गिरता है, तो चीजें एक बहुत ही तीव्र मोड़ लेती हैं, जिसके बाद एक छायादार आकृति दिखाई देती है जिसके हाथ में कसाई का चाकू और बंदूक होती है। जैसे ही वह व्यक्ति अपने हथियारों के साथ बाहर निकलता है, तीन बख्तरबंद गाड़ियां परिसर में घुस आती हैं। फिर पता चलता है कि वह छायादार आकृति रजनीकांत का किरदार मुथुवेल पांडियन की है, जो अपने दुश्मनों को धमाके से उड़ा देता है।

आशिकी 3 से क्यों कटा तृप्ति डिमरी का पत्ता

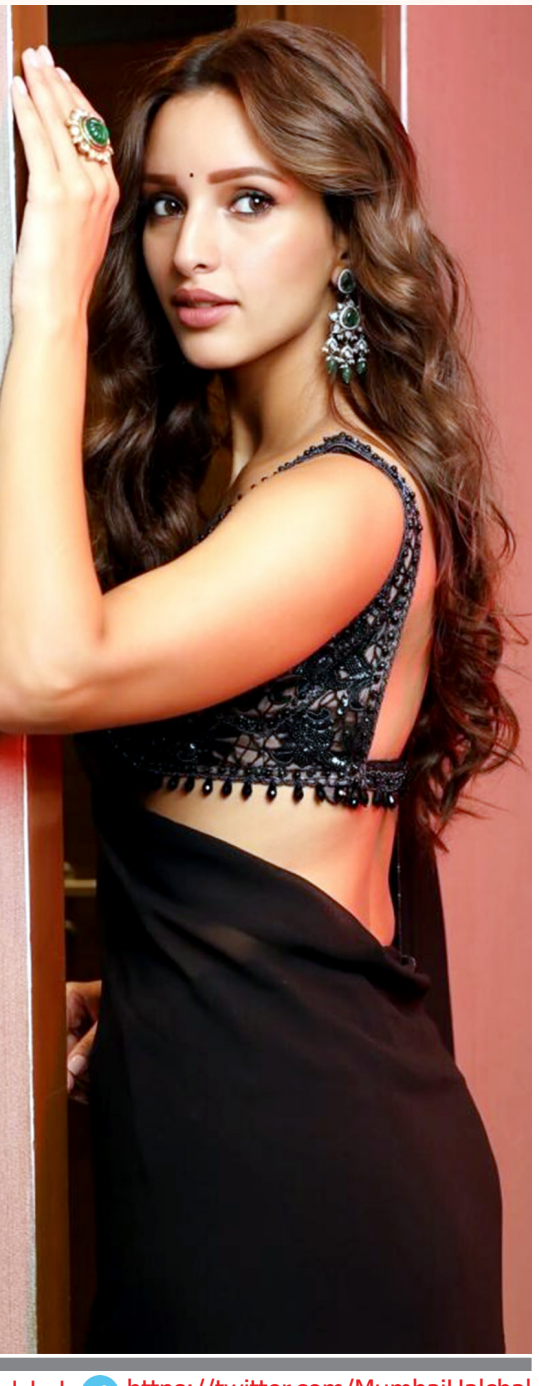

आशिकी 3 से तृप्ति डिमरी का पत्ता क्यों कटा इसको लेकर सोशल मीडिया पर तेजी से बहस हुई और कहा यह जाने लगा कि एनिमल फिल्म में दिए गए बोल्ड सीन की वजह से तृप्ति को आशिकी 3 फिल्म से बाहर का रास्ता दिखाया गया है। लेकिन अब इस मामले पर अनुराग बसु की तरफ से बयान सामने आया है, उन्होंने इस खबर को गलत बताया है। इतना ही नहीं अनुराग बसु नहीं यह भी बताया कि तृप्ति डिमरी आशिकी 3 फिल्म का हिस्सा क्यों नहीं बन रही हैं। आशिकी 3 फिल्म की तैयारी तेजी से चल रही है। इसी महीने के आखिर में शूटिंग की शुरूआत हो जाएगी। लेकिन अचानक से फिल्म को लेकर तेजी से चर्चा होने लगी, क्योंकि तृप्ति डिमरी का नाम फिल्म से बाहर हो गया था। खबर सामने आई की एनिमल में दिए गए बोल्ड सीन की वजह से तृप्ति का आशिकी 3 से पत्ता कट गया है। लेकिन अब इस पर अनुराग बसु ने बड़ा बयान दिया है और बताया है कि बोल्ड सीन को लेकर फिल्म से तृप्ति को बाहर किये जाने की खबर पूरी तरह से गलत है। दरअसल तृप्ति डिमरी और कार्तिक आर्यन की जोड़ी को एक बार फिर पर्दे पर देखने के लिए फैंस बेताब थे। दोनों की जोड़ी को भूल भुलैया 3 में काफी पसंद किया गया था और यही कारण है कि दोनों को फैंस एक बार फिर साथ देखना चाहते थे। लेकिन फैंस के हाथ मायूसी लगी है। अनुराग बसु ने इस बात को कंफर्म कर दिया की तृप्ति डिमरी आशिकी 3 में नजर नहीं आएंगी।